Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अनुक्रमणिका

मंगलकामना i

समर्पण ii

प्रकाशकीय iii

प्राक्कथन iv

अनुक्रमणिका v

प्रस्तुत सूची में प्रयुक्त संक्षेप व संकेत ....vi-vii

हस्तप्रत सूचीकरण सहयोग सौजन्य viii

हस्तप्रत सूची १-४७३

परिशिष्टः कृति परिवार अनुसार प्रत-पेटाकृति अनुक्रम संख्या.. ....४७४-५९६

१. संस्कृत, प्राकृत व अपभ्रंश भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से प्रत-पेटाकृति
क्रमांक सूची परिशिष्ट - १ ....४७४-५१९

२. देशी भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से प्रत-पेटाकृति
क्रमांक सूची परिशिष्ट - २ ....५२०-५९६

इस सूचीपत्र में हस्तप्रत, कृति व विद्वान/व्यक्ति संबंधी जितनी भी सूचनाएँ समाविष्ट की गई हैं, उन सब का विस्तृत विवरण व टाइप सेटिंग सम्बन्धी सूचनाएँ भाग ७ के पृष्ठ vi एवं परिशिष्ट परिचय संबंधी सूचनाएँ भाग ७ के पृष्ठ ४५४ पर है. कृपयां वहाँ पर देख लेवें.

प्रस्तुत **खंड ८** में निम्नलिखित संख्या में सूचनाओं का संग्रह है.

- प्रत क्रमांक - ३००३० से ३४४५०
- इस सूचीपत्र में मात्र जैन कृतियों वाली प्रतों का ही समावेश किए जाने के कारण वास्तविक रूप से ३७४४ प्रतों की सूचनाओं का समावेश इस खंड में हुआ है.
- समाविष्ट प्रतों में कुल ३९३९ कृति परिवारों का समावेश हुआ है.
- इन परिवारों की कुल ४४६५ कृतियों का इस सूची में समावेश हुआ है.
- सूची में उपरोक्त कृतियाँ कुल ६७६७ बार आई हैं.

For Private And Personal Use Only